हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, मंगलवार 9 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

रेल सुविधाओं को लेकर विधानसभा में गूंजी आवाज

मण्डला। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने मंडला जिले में रेल सुविधाओं के विस्तार हेतु विधानसभा सदन में अशासकीय संकल्प प्रस्तुत कर मंडला से जबलपुर नवीन ट्रैन चलाने एवं ओवरनाईट एक्सप्रेस, इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित गोंडवाना एक्सप्रेस को मंडला से चलाने हेतु आग्रह किया है। साथ ही मंडला रेलवे स्टेशन का नाम परिवर्तित कर वीरांगना रानी दुर्गावती स्टेशन मंडला किये जाने का भी आग्रह किया है। यह अशासकीय संकल्प विधानसभा सदन में पारित भी हुआ हैं और मप्र सरकार द्वारा इसे कार्यवाही हेतु केंद्र सरकार को भेजा जायेगा। उन्होंने कहा है कि मंडला जिले के विकास के लिए रेल सुविधाओं का विस्तार बहुत जरुरी है। केंद्र सरकार का विषय होने के बाद भी रेल सुविधा के लिए हमने अपने स्तर से प्रयास किया है उम्मीद है राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

पीएम स्वनिधि योजनांतर्गत लक्ष्य आवंटन

मण्डला। प्रधानमंत्री स्वनिधि आत्मनिर्भर का संचालन प्रदेश की समस्त नगरीय निकाय में किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा योजना का पुनर्गठन कर योजना की अवधि में मार्च 2030 तक विस्तार कर लक्ष्य जारी किये गये हैं। राज्य सरकार द्वारा योजनांतर्गत लक्ष्यों का निर्धारण जिलावार एवं निकायवार किया गया है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति मध्यप्रदेश के द्वारा आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. भोपाल के आदेश के क्रम में तीनों ट्रेंच (15के, 25के, 50के) के जिलेवार बैंकों को लक्ष्यों का आवंटन किया गया है। जिले की सभी नगरीय निकायों के 15 अक्टूबर 2025 से 31 मार्च 2026 एवं 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2030 तक के लक्ष्य प्रदाय किये जा रहे हैं। विस्तृत जानकारी कार्यालय कलेक्टर (श.वि.अभि.) मंडला से प्राप्त किया जा सकता है।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मण्डला। मंगलसिंह, ग्राम कुण्डा तहसील नारायणगंज निवासी की 5 अगस्त 2025 को कुआँ के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण मृतक के निकटतम वारसान को आर्थिक अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास के द्वारा मृतक के निकटतम वारसान पत्नि महलो बाई के खाते में 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

जल स्त्रोतों के बिना क्यों करोड़ों बर्बाद कर रहा जल जीवन मिशन

5 वर्षों में 20 फीसदी लक्ष्य की प्राप्ति

*** पेयजल खरीदने पर मजबूर ग्रामवासी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

प्रदेश सहित जिले के चिन्हित सभी गांवों व शासकीय संस्थानों में शुद्ध पेयजलापूर्ति करने केंद्र सरकार की अति महत्वपूर्ण योजना "जल जीवन मिशन,, को जिले का जिम्मेदार विभाग और इनके पेटी कॉन्टेक्टर बीते लगभग पाँच वर्षों में अधिकतम 20% ही लक्ष्य प्राप्त कर पाया है, वहीं इस कार्य को पूर्ण करने दो वर्ष का अतिरिक्त समय भी दिया जा चुका है, ऐसे में विभाग जब पाँच वर्षों में अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाया है तब बाकी दो सालों में योजना अनुरूप कार्य हो पाना कठिन प्रतीत होता है।

वहीं विभाग के अधिकतर कार्य ओचित्यहीन प्रदर्शित हो रहे हैं। नतीजन जिले के अधिकांश विभिन्न विभाग और क्षेत्र की जनता पिछले कई सालों से स्वच्छ पीने के पानी को तरस रहे हैं, और विभाग के भृष्ट कार्यों से मजबूर ग्रामीण दूषित कुंवे का पानी पी रहे हैं।

मंडला जिले में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल पहुँचाने की कवायद में जुटा विभाग अनेकों ग्रामों में बेतुके और अधूरे निर्माण कार्य कर अब तक कई करोड़ों की राशि बर्बाद कर चुका है, जिनसे आम जनता को भावी भविष्य तक में किसी भी प्रकार का फायदा मिलने की गुंजाइश नहीं है, ऐसे में विभाग और सरकार से यक्ष प्रश्न है क्या जिले में ऐसे ही शासकीय राशि को बर्बाद किया जाता रहेगा और जिले के आलाधिकारी और प्रतिनिधि मौन बने रहेंगे, और जिले की जनता पीने के पानी को तरसती रहेगी।

निवास जनपद की दर्जनों से ज्यादा ग्राम पंचायतों सहित हरीसिंघोरी पंचायत सहित इसके पोषक ग्राम मडलहा टोला और कुसमी/बरमदाना की बैगा आदिवासी जनता को पीने के पानी के लाले पड़े हैं, वहीं हरीसिंघोरी और मडलहा टोला के बीच में पीएचई द्वारा वर्षों पूर्व ओवरहेड पानी की टंकी निर्माण शुरू किया गया था जो लगभग पाँच फिट के पिलर तक ही हो पाया है और इसमें अभी तक गोल सटरिंग लगी हुई है, वहीं तीनों गांवों में भूमिगत पाइप से घरों में जल प्रदाय हेतु कनेक्शन भी किया गया है और योजना बंद पड़ी है।

ऐसे में बड़ा सवाल यह कि जब विभाग को यहां उचित जल स्त्रोत ही नहीं मिला तब औचित्यहीन कार्य क्यों किया जाकर शासन की राशि की होली खेली गई। ऐसे में विभागीय इंजीनियरिंग की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा होता है। इसी तरह मंडला मुख्य मार्ग से लगी सिंगपुर पंचायत में भी विभाग के ठेकेदार द्वारा सम्पवेल का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी दीवाल निर्माण में 8 एमएम की सरिया लगाई जा रही है, वहीँ इस ग्राम में भी उचित जल स्त्रोत ढूंढे बगैर घरों में जलापूर्ति हेतु मेन लाइन के साथ घरों में जलापूर्ति करने पाइप डाली जा चुकी हैं, इस कार्य में भी हद दर्जे की लापरवाही करते हुये जमीन के ऊपर पानी पाइप छोड़ दिया गया है जो वाहनों की आवाजाही में खराब हो रहीं हैं।

पीएचई मंत्री के रहते आदिवासी खरीदकर पी रहे पानी

इसी तरह बरमदाना में पीएचई ने वर्ष 2004 में स्वजलधारा योजना के तहत जल प्रदाय हेतु पाइप मोटर आदि की स्थापना की थी लेकिन आज उक्त सामग्री कहाँ गई ग्रामवासियों को नहीं मालूम, पीने के शुद्ध पानी को तरसते आदिवासी समाज के द्वारा पंचायत व विभाग के लाख मिन्नत करने के बावजूद इनको आज तक स्वच्छ पीने का पानी का स्थाई निदान नहीं हुआ, मजबूरन इन्हें खुले कुंवे का दूषित पानी उपयोग करना पड़ रहा है और पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है।

सरही गेट बन रहा कान्हा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों की उपेक्षा का शिकार पर्यटक हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

कान्हा नेशनल पार्क का तीसरा गेट सरही जिसको खुले 17 वर्ष से अधिक का समय हो गया किंतु अधिकारियों की उदासीनता की वजह से गेट का आजतक विकास नहीं हो पाया न होने दिया जा रहा है पर्यटकों की कम संख्या की वजह से सराही गेट वैसे ही नहीं चलता और उनके बाद भी जब पर्यटक आता है तो उसे परेशान किया जाता है और पर्यटक निराश होकर सरही गेट से हो रहे वापिस सरही गेट में जब कोर जोन की टिकट उपलब्ध होने के बाद भी पर्यटक को टिकट देने से मना कर दिया जाता है कारण बताकर की हमें आदेश है टिकट न निकालने का यही घटना 8 दिसंबर 2025 को अपराह्न सफारी में एक पर्यटक के साथ घटित हुई जब वह बहुत आश से अपने परिवार को लेकर सराही गेट जंगल सफारी करने पहुंचा उसे जानकारी नहीं थी कि टिकट लेकर आना पड़ता है वह सीधे गेट पहुंच गया सफारी समय मे पर जब वह गेट काउंटर पहुंचा तो उसे जानकारी हुई कि टिकट तो गेट ने उपलब्ध है किंतु अधिकारियों ने आदेश किया है कि जो पर्यटक स्वयं टिकट लेकर आ आए उसे गेट से टिकट नहीं दिया फिर टिकट खाली ही क्यों न चली जाए।

केन्द्राध्यक्ष एवं प्रेक्षकों की बैठक 10 दिसंबर को होगी

मण्डला। 13 दिसम्बर को आयोजित की जाने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए समस्त केन्द्राध्यक्ष एवं प्रेक्षकों की अति आवश्यक बैठक 10 दिसम्बर को अपरान्ह 11:30 बजे से जवाहर नवोदय विद्यालय पदमी में रखी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी बरकडे के द्वारा समस्त केन्द्राध्यक्ष एवं प्रेक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

9 माह से खुदा पड़ा गड्ढा, नहीं बनाई गई नाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ग्राम पंचायत तिलईपानी पहले भी विवादों में रही है यहां पंचायत द्वारा किये गये निर्माण कार्यों पर पहले भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं और जिनकी विभिन्न स्तरों पर जांच भी की गई है और जांच हो भी रही है निर्माण के मामलों में पंचायत की लापरवाही आज भी बदस्तूर जारी है ग्राम पंचायत में नाली निर्माण का कार्य होना था जिसके लिये लगभग 09 माह पूर्व कार्य प्रारंभ किया गया और लोगों के दरवाजे के सामने बड़े-बड़े गड्ढे कर दिये गये हालांकि इन गड्ढों को मानव श्रम के माध्यम से किया जाना था लेकिन पैसा एवं समय बचाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत द्वारा नियम विरूद्ध जेसीबी के माध्यम से नाली निर्माण हेतु खुदाई कराई गई इससे यह नुकसान हुआ कि जहां आवश्यकता अनुसार गड्ढे किये जाते इसके उलट बड़े-बड़े गड्ढे घरों के सामने कर दिये गये। अब यदि तुरंत ही नाली का निर्माण कर दिया जाता तो शायद लोगों को दिक्कत या परेशानी नहीं होती लेकिन गड्ढे किये हुये लगभग 7 से 9 माह हो चुके है उसके बावजूद नाली का निर्माण नहीं कराया गया। काम क्यों नहीं कराया जा रहा है यह पंचायत के प्रतिनिधि नहीं बता रहे अब पंचायत की इस लापरवाही के कारण लोगों का अपने ही घरों में आना-जाना दुश्वार हो गया है घरों के सामने कहीं पत्थर की चीप तो कहीं लकड़ी की पटिया के माध्यम से लोग घरों में प्रवेश कर पा रहे हैं। वाहनों को भी घरों के बाहर ही खड़ा करना पड़ रहा है छोटे बच्चे और महिलायें घरों में जाने या आने पर डरती है उनके गिरने का खतरा बना रहता है और इस प्रयास में कई महिलायें एवं बच्चे चोटिल भी हो रहे हैं। इसी समस्या को लेकर ग्राम के निवासी ओमकार यादव द्वारा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को एक पत्र भी लिखा गया जिसमें इस पूरी समस्या का विस्तार से वर्णन किया गया है ओमकार यादव द्वारा तत्संबंध का पत्र 27 अक्टूबर को दिया गया लेकिन आज दिनांक तक पत्र में लिखी पीड़ा का समाधान नहीं किया गया। लोगों का अपने ही घरों में आना-जाना यदि सुरक्षा के दृष्टिकोण से सुरक्षित न हो तो फिर इसे क्या कहा जाये। अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को इस दिशा में शीघ्र कार्यवाही करनी चाहिये।

आयुषी ज्वेलर्स मंडला डकैती एवं हत्या के प्रयास के 9वें आरोपी की गिरफ्तारी

मण्डला। थाना कोतवाली मंडला अंतर्गत दिनांक 20.11.2025 को आयुषी ज्वेलर्स कटरा में अंधी डकैती एवं दुकान संचालक पर फायरिंग की गंभीर घटना का मंडला पुलिस की विशेष टीमों द्वारा सटीक सूचना संकलन एवं प्रभावी कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में घटना में संलिप्त 9वें आरोपी पंकज पिता प्रकाश गौर, उम्र – 24 वर्ष, निवासी मरेलकला, जिला रायसेन (म.प्र.) को भी गिरफ्तार कर मंडला पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है। मंडला पुलिस एवं साइबर तकनीकी टीम द्वारा आरोपियों की गतिविधियों के विश्लेषण के आधार पर लगातार सर्चिंग अभियान संचालित किया जा रहा था। उसी क्रम में दिनांक 07.12.2025 को आरोपी पंकज गौर को जबलपुर से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने दिनांक 20.11.2025 को आयुषी ज्वेलर्स में लूट की वारदात में अपनी सक्रिय भूमिका स्वीकार की है। आरोपी के पास से पुलिस द्वारा जप्त सामग्री में चांदी के जेवरात जिनकी अनुमानित कीमत 50,000 है एवं घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जप्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को दिनांक 08.12.2025 को माननीय न्यायालय में पेश किया गया। अब तक हुई कार्यवाही में आयुषी ज्वेलर्स डकैती प्रकरण में अब तक कुल 09 आरोपी गिरफ्तार, कुल 14 आरोपियों की संलिप्तता सामने आ चुकी है।

इनर व्हील क्लब मण्डला मेकल द्वारा कान्हा में पिकनिक का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

इनर व्हील क्लब मण्डला मेकल द्वारा कान्हा में एक दिवसीय पिकनिक का मनोरंजक एवं यादगार आयोजन किया गया, जिसमें क्लब की सभी सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुईं। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर कान्हा में संगीत, विभिन्न खेलों, जंगल सफारी, नृत्य और पूल पार्टी जैसी गतिविधियों ने सभी सदस्यों को भरपूर आनंद दिया। वापसी के दौरान वाटरफॉल के मनोहारी दृश्य ने सफर की खुशी को और भी बढ़ा दिया। पूरे आयोजन के दौरान सदस्यों में उमंग, उत्साह और आपसी सहयोग का सुंदर मेल देखने को मिला। इस पिकनिक के आयोजन और इसकी सफलतापूर्वक सम्पन्नता में क्लब की अध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा तपा, सचिव श्रीमती सुनीता पमनानी, तथा ISO श्रीमती प्रिया पमनानी का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन एवं समन्वय से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

ज्ञान परीक्षा | काशी विश्वनाथ वैदिक गुरूकुल द्वारा विभिन्न शालाओं में कराई गई थी परीक्षा।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

*** जरूरतमंद ग्रामीणों को दिये गये ऊनी वस्त्र।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

काशी विश्वनाथ वैदिक गुरूकुल जिलेहरी घाट गाजीपुर मण्डला में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आचार्य भीमदेव नैष्ठिक ने बताया कि संरक्षक आचार्य महिपाल जी आचार्य राजेन्द्र जी काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल में महर्षि दयानंद सरस्वती की 201वीं जयंती एवं आर्य समाज स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सनातन वैदिक गुरूकुल एवं गौशाला समिति द्वारा विद्यालय में आयोजित सनातन वैदिक संस्कृत ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मान किया गया। साथ ही प्रत्येक वर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रामीण जनों को ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया व काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल द्वारा जो 28 नवंबर को ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के विद्यालयों में जो सनातन वैदिक संस्कृति ज्ञान परीक्षा ली गई थी उस परीक्षा में लगभग 450 विद्यार्थियों ने भाग लिया था उन विद्यार्थियों को भी ऊनी वस्त्र व प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के माता पिता भी गुरुकुल में पहुंचे थे उन्हें भी ऊनी वस्त्र प्रदान किए गए और साथ ही गुरुकुल में आए ग्रामीण जनों को भी ऊनी वस्त्र प्रदान किए गए और जिन विद्यार्थियों ने प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाया उन विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी को 3100 रूपये से पुरस्कृत किया गया व द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थी को 2100 रूपये से पुरस्कृत किया गया व तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थी को 1100 रूपये से पुरस्कृत किया गया। इस प्रतिभा सम्मान समारोह व ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी श्रीमती प्रिया धुर्वे, डॉ. राजेश चौरसिया पूर्व प्राचार्य रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, समाजसेवी संजय तिवारी शुभा मोटर्स, दिनेश दुबे प्राचार्य ज्ञानदीप विद्यालय, वेद प्रकाश गुप्ता जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान, मुकेश सोनी भूतपूर्व जिला अधिकारी स्टेट बैंक, नीरज अग्रवाल वरिष्ठ पत्रकार, आनंद सोनी पत्रकार, सुधीर कांसकार समाजसेवी, श्रीमती उमा यादव नगर भाजपा, श्रीमती प्रीति मौर्या श्रीमती विनीता दुबे समाजसेवी, सुनील बाली पतंजलि योग समिति प्रेमलाल गुप्ता उपाध्यक्ष, डॉ मुकेश मौर्या सचिव, लखन बघेल,कौशल अर्सिया, डॉ नीलसिंह, रामचंद्र आर्य, महेंद्र आर्य, संजय ठाकुर दुर्गेश यादव व समस्त विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिकाएं एवं जिला के अनेक संगठनों के सदस्यगण व सभी ग्रामीण बंधुओं व विद्यालयों के प्रतिभागी विद्यार्थीगणों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल परिवार सभी अतिथि महानुभावों सभी संगठनों के सदस्यों सभी विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिकाओं व समस्त विद्यालयों के प्रतिभागी विद्यार्थियों का धन्यवाद किया गया।

बैलगाड़ियों से बंधे गौवंश की करनी चाहिए पहचान

सौंसर। ग्रामीण क्षेत्र से इन दिनों खामारपानी की ओर से महाराष्ट्र की ओर गोवश तस्करी करने की जानकारी मिल रही है। खामारपानी सवरर्णी मिलापर के रास्ते से बड़े पैमाने पर प्रदेश से महाराष्ट्र के शहरों में गोवंश की पैदल तस्करी हो रही है। एक प्रेस व्यक्ति जारी करते हुए युवा अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष गुलशन गजभियेने बताया कि ग्राम सवरनी–वैरागड़ के रास्ते हर सप्ताह दो से तीन बार बेलगाड़ियों को गोवंश बांधकर खमारपानी की ओर से सवरर्णि मिलापर के रास्ते बड़े पैमाने पर पैदल यात्रा कर मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र के प्रदेश में गोवंश पहुंचा जा रहा है। सड़कों पर अक्सर सप्ताह में एक दो बार बैल गाड़ीयो की पीछे गोवंश को बांधकर नागपुर की ओर लेकर जा रहे है। अब इसमें सोचने वाली बात यह है अगर यह लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जीवन यापन हेतु जा रहे हैं,तो इनके पास गाय भी होनी चाहिए परंतु न इनके पास गाय हैं, और नही घर का सामान केवल नाम मात्र की दो तीन खटिया दिखाई देती हैं। प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर खुलेआम दिनदहाड़े यह पशु तस्करी नए तरीके से की जा रही है। जो कि एक संवेदनशील विषय है, लगातार कमर पानी से महाराष्ट्र की ओर जा रही बैलगाड़ियों से बंधे गोवंश को लेकर भी भिलापार चौकी, ग्राम पंचायत हो या फिर पुलिस के द्वारा भी किसी प्रकार की कोई पूछताछ या इनकी पहचान नहीं की जा रही है।

खबर संक्षेप

घर में सो रही महिला पर चाकू से किया बार

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये नगर के डोला बाबा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब रात के समय वह अपनी झोपड़ीनुमा घर के अंदर सो रही थी उसी दौरान अज्ञात दो व्यक्ति आये और गले में चाकू बार किया गया। जिसके चलते महिला को चोटे आने के चलते पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

दूध लेने की बात को लेकर डिब्बा से की मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार नगर के नर्मदा कालोनी इन्द्रा वार्ड निवासी तथा शासकीय प्राथमिक शाला संहपुर छोटा में पदस्थ द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत जर्द कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस जब वह नगर की शर्मा डेरी पर दूध लेने के लिये गया हुआ था। उस समय डेरी पर भीड़ होने के चलते लम्बी लाईन लगी हुई थी। उस लाईन में प्रार्थी व उसके ओग कारेलाल खटीक नामक व्यक्ति खड़ा हुआ था। भीड के चलते प्रार्थी दूध काउन्टर पर मदद कराने के बाद जब भीड़ कम हुई तो दूध लेने लगा। इसी बात को लेकर आरोपी बोला की तो मेरे पीछे खड़ा था मुझसे पहले दूध क्या लिया। इसी बात को लेकर आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये दूध डिब्बे से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

डीजे चलाने के पैसा मांगने पर कर दी पिटाई

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सालीचौका रेता मुहल्ला निवासी अमर राज पिता नरेश वर्मा उम्र 21 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह डीजे आपरेट करने का कार्य करता है। इसी के चलते बीते हुये दिवस नगर के भरत कहार द्वारा अपने घर में जन्म दिवस का कार्यक्रम होने के चलते डीजे आपरेट यानि की चलाने के लिये बोला गया। इसके चलते प्रार्थी व उसका दोस्त मंगल यादव के साथ डीजे चलाने के लिये गया हुआ था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब प्रार्थी द्वारा भरत से डीजे चलाने के पैसा मांगे गये तो इसी बात को लेकर भरत कहार द्वारा गदी गंदी गालिया देना शुरू कर दी गई। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो भरत व उसके साले सग्रीम द्वारा एक राय होकर डंडे से प्रार्थी सहित उसके साथ दोस्त मंगल के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी जीजा साले के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

राहगीर के साथ तीन ने मिलकर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम मारेगांव निवासी नीरज पिता मनीराम अहिरवार उम्र 32 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया कि जब वह अपने गांव जा रहा था तो रास्ते में जगदीश पिता डब्बल, मोहित पिता धुन्नु व संतोष पिता कन्छेदी मिले और बगैर किसी कारण में गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थी ने गाली देने से मना किया तो तीनों ने एक राय होकर मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

माँ बेटी के साथ पडौसी ने की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस एमपीईबी कालोनी निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपनी बेटी के साथ घर थी उसी समय पडौस में रहने वाला पुष्पेन्द्र वर्मा आया और घर के सामने गंदी गंदी गालिया देने लगा।

एक एक बोरी यूरिया के लिये भटक रहे किसान, आक्रोशित होकर किया चकाजाम

जरूरत के हिसाब से यदि नही मिला खाद तो अन्नदाता के लिये बोनी करना हो जावेगा मुश्किल, अधिकारियों ने लगा दिया पुलिस का पहरा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इन दिनों जिस तरह अन्नदाता किसान को अपनी फसल विक्रय करने के लिये हो या फिर खेतों में फसल की बोनी के लिये चारो ओर किसानों को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि किसानों द्वारा रात दिन एक करते हुये पैदा की गई धान फसल जहां तैयार होकर किसानों के घरों में रखी है और शासन द्वारा निर्धारित की गई तिथि निकल जाने के बाद भी समर्थन मूल्य पर खरीदी का कार्य शुरू नही होने के चलते किसानों को अपने वाली फसल की बोनी करने के लिये जरूरी समान खरीदना है इस स्थिति में वह धान फसल को ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर हो रहा है। वही दूसरी ओर यूरिया प्राप्त करने के लिये अन्नदाता को दिन दिन भर लाईनों में खड़ा रहने के बाद भी एक बोरी यूरिया मिलना मुश्किल होते हुये देखा जा रहा है। इस बात की सच्चाई क्षेत्र के बेयर हाऊसों में आसानी से देखने मिल रही है जहां भूखा प्यासा किसान एक एक बोरी यूरिया के लिये किस तरह दिन दिन भर लाईनों में खड़ा रहने के बाद भी उसे खाली हाथ लौटते हुये देखा जा रहा है। बीते हुये सोमवार को समीपस्थ ग्राम चिरह के पास स्थित बेयर हाऊस पर जब भारी मात्रा में किसान एकत्र होने के बाद भी यूरिया का स्टाक होते हुये वितरण नही किये जाने से आक्रोशित किसानों द्वारा चकाजाम करने के लिये मजबूर होना पड़ा। इस तरह आक्रोशित किसानों द्वारा किये गये चकाजाम की जानकारी मिलते ही जहां मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच गया वही अधिकारियों की समझाईश के बाद चंद मिनिटों के भीतर चकाजाम तो समाप्त हो गया। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब सत्ता से लेकर प्रशासन तंत्र में बैठे लोगों को इस बात की जानकारी रहती है कि इस सीजन में किसानों को यूरिया की जरूरत रहती है। इसके बाद भी समय पर जरूरत के हिसाब से उपलब्ध न करापाना निश्चित ही जिम्मेदारों की असफलता का खुला प्रमाण है..? यह बात अलग है कि सत्ता से लेकर प्रशासन तंत्र मे बैठे हुये लोगों द्वारा यूरिया उपलब्धता के आकड़े पेस करते हुये स्थिति को संतोष जनक बताया जाता है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब पर्याप्त मात्रा में यूरिया आ रहा है जिस तरह अधिकारियों द्वारा आकड़े प्रदान किये जा रहे है तो फिर किसानों को यूरिया मिल क्यों नही पा रहा है..? आखिरकार यूरिया गायब कहा हो रहा है जिसके चलते एक एक बोरी यूरिया के लिये क्षेत्र के अन्नदाता को दिन दिन भर भूखा प्यासा रहते हुये लाईनों में लगने के बाद शाम को खाली हाथ लौटते हुये देखा जा रहा है..? खैर सच्चाई जो भी हो मगर इस समय सबसे अधिक परेशान क्षेत्र के किसानों को देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये सरकार द्वारा किये जाने वाले सभी वादें झूझ साबित होते हुये प्रतीती होने से नही चूक पा रहे है..? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि आज अधिकारियों से लेकर देश के नेता व आमजन जिस अन्न का भोजन किया जाता है उसको पैदा सिर्फ किसान ही कर सकता है। क्योंकि अन्न को किसी फेक्ट्री या फिर मशीन के द्वारा नही बनाया जा सकता है वह सिर्फ किसानों की मेहनत के चलते ही किसानों के खेतों में ही पैदा होता है। यदि किसान अपने खेतों में अन्न पैदा करते हुये उसका विक्रय न करे और सिर्फ अपने ही उपयोग के लिये रखने लगे तो निश्चित ही संपूर्ण देश में भूखमरी पैदा होने से नही चूक पायेगी? यह बात जरूर है कि किसानों द्वारा अपने खेतों में रात दिन एक करते हुये पैदा किये जाने वाले अन्य को विक्रय करने के बाद अपनी अन्य जरूरतों को पूरा करता है। इसलिये उसे बेचने की मजबूरी होती है। मगर अधिकारियों से लेकर बडे बडे नेता व उद्योगपति भले ही लखपति होने के कारण उसके पास रूपयों का अम्बार लगा हो..। मगर उन रूपयों को वह कभी अपना पेट नही भर सकते है उन्हें अपना पेट भरने के लिये किसानों द्वारा खेतों में पैदा किया गया अन्न ही खरीदकर खाना पड़ेगा तभी उनका पेट भर सकता है। जबकि किसान यदि चाहे तो अन्य सुख सुविधाओं को त्यागते हुये अपने खेतों में पैदा किये जाने वाले अन्न के भरोसे जिंदा रह सकता है। मगर अधिकारी नेता व उद्योग पति बगैर किसान के मेहनत के बगैर अपनी जिन्दगी व्यतीत नही कर सकते है? यदि सही मायने में देखा जावे तो देश की रक्षा में जहां जवान की आवश्यकता होती है वह देश की जनता का पेट भरने के लिये किसान की मेहनत की जरूरत होती है और इसी लिये यह नारा दिया गया है कि जय जवान, जय किसान जब कि देश का जवान व देश का किसान खुशहाल रहेगा तो देशवासी कभी असुरिक्षत व भूखे नही रह सकते है? मगर जिस प्रकार से इस समय किसानों को जो स्थिति देखने मिल रही है उसकी ओर न तो अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही नेताओं द्वारा जिसका परिणाम है कि किसानों को अपनी फसल तैयार करने में उपयोग होने वाली जरूरी चीजों के लिये भटकने या फिर मनमानी करने वालों का शिकार होते हुये देखा जा रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय किसान अच्छे दिनों के घन चक्कर में फसने के बाद खून के आसू बहाते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है..? सरकार द्वारा किसानों के लिये खेतों को लाभ का धंधा बनाने के लिये हर संभव मदद करने की बात कही जाती है। मगर सही मायने में देखा जावे तो यह बात सिर्फ

मंचो से लेकर अखबारों की सुर्खिया बनने के आलवा और कुछ साबित होने से नही चूकती है? क्योंकि जब किसानों को अपने फसले तैयार करने के लिये जिस चीज की जरूरत पड़ती है वह बाजार में आसानी से उपलब्ध नही हो पाने के कारण मजबूर किसान को अपनी फसलों को बचाने के लिये वह सामग्री ओने पोने दामों में खरीदना पड़ता है और इस तरह किसान की मजबूरी का फायदा दुकानदार उठाने से नही चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि इस दिनों किसानों द्वारा अपने खेतों चना, गेंहू सहित अन्य प्रकार की फसलों की बोनी की जा रही है जिसके लिये सबसे जरूरी माने जाने वाले खाद को लेकर जहां मारा मारी का आलम देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर बेयर हाऊसों में दिन दिन भर किसानों को खड़े रहने के बाद भी दो बोरी यूरिया नही मिल पाने के कारण खाली हाथ अपने घरों को लौटने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

युवाओं में विदेशी सिगरेट की लत से बिगड़ रहा नगर का माहौल, शहर में खुलेआम विक्रय हो रही विदेशी सामग्री पर प्रशासन की चुप्पी खड़े कर ही सवाल..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय जिस प्रकार से म.प्र. शासन के आदेश पर पूरे प्रदेश में शुद्व के लिये युद्व मुहिम चलाते हुये जहां खाद्य विभाग द्वारा लगातार छापेमार कार्यवाही की जा रही है। मगर वही दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा शासकीय चिकित्सालय व शासकीय शिक्षण संस्थाओं की 100 मीटर के अंदर आने वाली परधी में तम्बाखू युक्त सामग्री विक्री पर अंकुश लगाने के लिये बीते हुये कुछ माह पहले कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये देखा गया था? इस तरह प्रशासन द्वारा की जाने वाली इस कार्यवाही के दौरान जिस प्रकार से अधिकारियों द्वारा जिस सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है उसे लेकर संपूर्ण शासन प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है..? क्योंकि शुद्व के लिये युद्व मुहिम पर की जाने वाली कार्यवाही तो ठीक है। मगर नगर सहित क्षेत्र के अनेक दुकानों पर इस प्रकार की सामग्री भी धडल्ले से बिकते हुये देखी जा रही है जो नियम विरूद्व होने के साथ साथ युवाओं की जिन्दगी को बर्बाद करने से नही चूक रही है। बताया जाता है कि इस समय नगर सहित क्षेत्र की अनेक पान दुकानों सहित अन्य सामग्री की दुकानों पर जिस प्रकार से विदेशी सिगरेटों की बिक्री होते हुये देखी जा रही है वह नियम विरूद्व बताई जा रही है। क्योंकि किसी भी विदेशी माल का विक्रय करने के लिये अनेक प्रकार के मापदंडो का पालन करना जरूरी होता है। मगर इसके बाद भी नगर सहित क्षेत्र में धडल्ले से इस प्रकार विदेशी सिगरेटों की भरमार देखने मिल रही है, जिसके चलते विदेशी सिगरेटों की लत के आदि हो चुके युवा अपना शोक पूर्ण करने के चक्कर में इन महंगी सिगरटों के चक्कर में अपनी जिन्दगी बर्बाद करने के साथ साथ लुटने से भी नही चूक रहे है। इस प्रकार युवाओं में जिस तरह विदेश सिगरेट की लत लग चुकी है वह अपनी लत को पूरा करने के लिये कर्जदार बनते हुये देखे जा रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नगर में इस प्रकार से पान दुकानों सहित अन्य दुकानों पर इस प्रकार से विदेशी माल विक्रय करने की अनुमति प्रदान की गई है जिसके चलते वह धडल्ले से इस प्रकार विदेशी सिगरेटों का विक्रय करते हुये देखे जा रहे है..? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सबाल यह भी पैदा होने से नही चूक रहा है कि विदेशी सिगरेटों के नाम पर अनेक ब्रांडो की यह सिगरेटे क्या सही रूप से उसी ब्रांड की होती है जिसके नाम पर विक्रय की जा रही है, या फिर विदेशी व ब्रांड के नाम पर मात्र युवाओं की जिन्दगी बर्बाद करते हुये उनकी जेबों पर डाका ही डालने का कार्य किया जा रहा है..। अब सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने? मगर नगर में धडल्ले से विक्रय होते हुये देखी जा रही इन विदेशी सिगरेटों की सच्चाई को लेकर जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा चुप्पी साधी जा रही है उसके चलते शासन द्वारा चलाये जा रहे शुद्व के लिये युद्व पर अपने आप ही सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि खाद्य सामग्री से अधिक इस प्रकार से विदेशी ब्रांडों के नाम पर विक्रय होने वाली यह सिगरेटे जहरीली साबित होने से नही चूक रही है जो निश्चित तौर से मानव जीवन पर विपरित असर डालते हुये दिखाई दे रही है। वही दूसरी ओर उनका निर्धारित ब्रांड के नाम पर कहा तक सही है इस बात का भी किसी को पता नही होने के बाद भी प्रशासन द्वारा कार्यवाही को लेकर नजर अंदाज किया जाना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये दिखाई देने लगा है..?

चीचली जनपद की ग्राम पंचायत ढ़ाना की सड़को पर पौष माह में दिखाई दे रहे सावन के नजारे, गंदगी के बीच ग्रामीणजन पहुंच रहे घर

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा।

पंचायतों के विकास को लेकर सरकार द्वारा जिस तरह से ग्रामों की सूरत बदलने के लिये राशि प्रदान की जा रही है यदि उस राशि में मात्र तीस प्रतिशत ही निष्ठा के साथ उपयोग हो जावे तो ग्रामों की सूरत बदलने से नही चूक पायेगी। इतना ही नही हर साल स्वच्छता के नाम पर भी पंचायतों द्वारा हजारों रूपया खर्च किये जा रहे है। मगर वह राशि खर्च होने के बाद कार्य सिर्फ कागजों तक सीमित होने का परिणाम है कि पौष माह में जहां गांव की सड़को पर सावन के नजारे दिखाई देने से नही चूक पा रहे है और ग्रामवासियों को कीचड़ के बीच से गुजरते हुये अपने घरों तक पहुंचने के लिये मजबूर बन चुकी है..? इतना ही नही बीते हुये कुछ सालों के अंदर पंचायतों के लिये सरकार द्वारा स्वागत गेट स्थापित इस सोच के चले राशि प्रदान की गई है कि जब कोई बाहरी व्यक्ति आता है तो गांव के प्रवेश करने वाले मुख्य द्वार को सुन्दरता प्रदान की जावे। क्योंकि घर का द्वार हो या फिर गांव का द्वार इसलिये सुन्दर रखा जाता है कि सबसे पहले आने वाला मेहमान उसी को देखकर अंदर की सच्चाई का अनुमान लगाने से नही चूकती है। इस तरह पंचायतों में स्वच्छता से लेकर विकास के नाम पर लाखों रूपया खर्च किये जाने के बाद भी जब किसी पंचायत में मुख्य सड़को के किनारे गंदगी का अम्बार व सड़को पर फैल रही गंदगी कीचड़ देखने मिले तो पंचायत द्वारा विकास के नाम पर राशि का क्या उपयोग किया जा रहा है इस बात का अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत ढ़ाना में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत ढ़ाना के अंदर गांव की सड़क इस तरह से दिखाई दे रही है कि सड़क पर फैल रही कीचड़ व नालियों का गंदा पानी जहां लोगों के लिये पौष माह में सावन भादों की याद दिलाने से नही चूक रहा है..? वही दूसरी ओर हाल यह बना हुआ है कि लोग अपने घरों के लिये कीचड़ के बीच से उचकनी खेलते हुये जाने के लिये मजबूर हो रहे है। वही दूसरी गांव मे प्रवेश करने वाली मुख्य सड़क किनारे दिस प्रकार से गंदगी का आलम दिखाई दे रहा है वह निश्चित तौर सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है..? बताया जाता है कि पंचायत द्वारा दो माह पहले यानि की गांव में बजरा व सफाई के नाम पर बीस हजार रूपया की राशि खर्च की गई है। मगर गांव के अंदर सड़को पर जिस तरह गंदगी व कीचड़ का आलम दिखाई दे रहा है तो फिर अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है कि वह राशि किस तरह खर्च की गई होगी जिसके चलते गांव की सड़क पौष माह में सावन भादों की यादे ताजा करने में कसर नही छोड़ रही है..? इस सच्चाई को देखते हुये ग्राम के अंदर हुये बीते तीन साल के कार्यकाल के दौरान अन्य विकास कार्यो का क्या हाल हुआ होगा..? आमजन का मनना है कि यदि पंचायत द्वारा अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान विकास कार्यों के नाम पर खर्च की गई राशि की निष्ठा के साथ जांच होती है तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने के साथ पंचायत से लेकर जनपद स्तर तक इस मलाई के मक्खन का स्वाद आने से नही चूक पायेगा...?

पलोहाबड़ा में विधायक पटैल की मौजदूगी में हुआ साईकिल वितरण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पलोहाबड़ा के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बीते हुये सोमवार को क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल ने मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत स्कूल में अध्ययन करने वाले 25 छात्र एवं छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। बताया जाता है कि इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जब छात्र छात्राएं इस साइकिल पर बैठकर अपने विद्यालय पहुँचेंगे तब यह केवल उनकी ही नहीं बल्कि उनके परिवार और हमारे पूरे क्षेत्र की प्रगति की सवारी होगी। केन्द्र से लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को लगातार अनेक प्रकार की सुविधाये प्रदान करते हुये शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने में कोई कसर नही छोड़ रही है। मगर हम भी सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा करते है कि वह मन लगाकर पढ़ाई करें जिससे अपने साथ साथ अपने माता पिता व क्षेत्र का नाम रोशन हो सुके। अपने माता-पिता का सम्मान करें और अपने सपनों को साकार करें। विधायक पटैल ने कहा कि यह समय सोशल मीडिया का है इसलिये हर बच्चे को पढ़ाई के लिये मोबाईल फोन जरूरी है। मगर उस मोबाईल फोन से अच्छाई व बुराई दोनों मिलती है। हर बच्चें को सोशल मीडिया का लाभ लेते हुये आगे की ओर बढ़ना है। उन बुराईयों से दूर रहना है जो सोशल मीडिया के माध्यम से गलत रास्ते पर भटक जाते है। इस मौके पर जनपद साईंखेड़ा अध्यक्ष छत्रपाल सिंह राजपूत ने कहा कि साईकिले मिलने से विद्यार्थियों को स्कूल आने जाने में आसानी होगी एवं वे बिना किसी परेशानी के पढ़ाई कर सकेंगे। इस अवसर पर जनपद सदस्य रामगोपाल गुर्जर, शुभम पटेल, मंडल अध्यक्ष ईश्वर गुर्जर, भैयाजी टेकन, रामकुमार पाराशर, लाल चंद पटेल, राजू लोधी, बसंत तिवारी, रूपसिंह वर्मा, रामसिंह वर्मा, राजा गुर्जर अमित भदौरिया सहित शिक्षण संस्था के शिक्षकगण व छात्र छात्रायें मौजूद थें।

पिता पुत्र ने मिलकर की मारपीट

चीचली। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम हीरापुर निवासी एक मजदूर वर्ग के युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह खेत में सब्जी लगाने के लिये खुदाई कर रहा था उसी दौरान प्रार्थी का चाचा गुलई व उसका लड़का सुरेन्द्र आये और बोले की यहां पर खुदाई क्यों कर रहा है। इसके बाद प्रार्थी अपने घर चला गया। मगर कुछ देर बात दोनों प्रार्थी के घर पहुंचक गाली गुप्ता करने लगे तो प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किये जाने पर सुरेन्द्र द्वारा मारपीट करने लगा तो प्रार्थी का भाई उमेश बीच बचाव करने के लिये आया तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। इसके बाद जब प्रार्थी की माँ व पिता घटना की सूचना सरपंच को देने के लिये जा रहे थें तो उनके साथ भी मारपीट करत हुये चोटे पहुंचाई। इस तरह घटना की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

सालीचौका रेलवे गेट बंद रहने के कारण अक्सर मरीजों को तड़पने के लिये होना पड़ता है मजबूर

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

कहने के लिये तो सालीचौका को नगर पंचायत से बढ़कर नगर परिषद का दर्जा प्राप्त होने के साथ साथ यहां पर पुलिस चौकी के आलवा स्वास्थ्य केन्द्र व हायर सेकेण्डरी स्तर के स्कूल संचालित हो रहे है। वही सालीचौका में सप्ताह में दो दिन लगने वाला बाजार भी संपूर्ण क्षेत्र में प्रसिद्व होने के आलवा यहां पर संचालित हो रही शुगर मिलो सहित राईस मिलों ने अपनी कार्य कुशला के चलते एक अलग ही उपलब्धि हासिल की गई है, जिसके चलते सालीचौका क्षेत्र में प्रतिदिन बाहर से हजारों की संख्या में लोगों का आना जाना लगा रहता है। मगर सालीचौका के विकास की गति में यहां पर लगा हुआ रेलवे गेट बाधक बनने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि यदि रेल सुविधाओं के नाम पर देखा जावे तो जहां रेल विभाग द्वारा सालीचौका क्षेत्रवासियों से छलावा करते हुये देखा जा रहा है, मगर क्षेत्रवासियों की झोली रेलवे गेट के कारण परेशानियों से जरूर लबालब भरने से नही चूक पा रही है? अक्सर देखा जाता है कि दिन में अनेक बार जब यह रेल्वे गेट बंद रहता है तो गेट के दोनों ओर जहां वाहनों की लम्बी हुई लाईने लगी देखी जाती है। वही अनेकों बार तो स्थिति इस प्रकार से निर्मित होते हुये देखी गई है कि जब कोई वाहन किसी गंभीर मरीज को लेकर जा रहा होता है उस दौरान काफी समय तक रेलवे गेट बंद रहने की स्थिति में मरीजों को तडपते हुये तक देखा जाता है, कुछ इसी प्रकार का हाल स्कूली छात्र छात्राओं का होता है जो रेल गेट बंद रहने की स्थिति में अपनी शिक्षण संस्थाओं को समय पर पहुंचने से बंचित हो जाते है? इस क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुये सालीचौका में ओवरब्रज निर्माण की आवश्यकता लम्बे समय से महसूस की जा रही है, मगर इस ओर न तो जिम्मेदार माने जाने वाले नेताओं द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही अधिकारियों द्वारा जिसके चलते रेलवे गेट परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है।

खबर संक्षेप

पेंशन शिविर का आयोजन 9 से 12 दिसम्बर तक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 30 नवम्बर 2025 तक सेवानिवृत्त/मृत्यु होने वाले जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु पेंशन शिविर का आयोजन 9 एवं 10 दिसम्बर को तथा अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु पेंशन शिविर का आयोजन 11 एवं 12 दिसम्बर को कार्यालय जिला पेंशन अधिकारी अनूपपुर में किया जाएगा। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने जिले के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु संबंधित लिपिक के साथ शिविर में उपस्थित होकर प्रकरणों को त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा है कि आहरण एवं संविरण अधिकारी एवं स्थापना लेखा प्रभारी लिपिक की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि पेंशन प्रकरण से संबंधित समस्त अभिलेख सेवानिवृत्त कर्मचारी से प्राप्त कर प्रकरण ऑनलाईन कराएं।

स्कूलों की ऑनलाइन मान्यता नवीनीकरण के संबंध में बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय अनूपपुर में शनिवार को अशासकीय हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी स्कूलों की सत्र 2026-27 हेतु ऑनलाइन मान्यता नवीनीकरण के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में अशासकीय विद्यालयों द्वारा जिनकी मान्यता 31 मार्च 2026 को समाप्त हो रही है, उनके द्वारा नवीनीकरण हेतु ऑनलाइन पोर्टल में आवेदन करने के संबंध में जानकारी एवं निर्देश दिये गये। आयोजित बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री तुलाराम आर्मो द्वारा शुल्क वृद्धि, ड्रेस, पुस्तक, छात्रवृत्ति, अपार आई.डी., सी.एम. हेल्पलाईन, बस के परिवहन, स्कूल व्यवस्था तथा सत्र 2026-27 के ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया के संबंध में निर्देश दिए गए।

केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ वार्षिक खेल दिवस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया .कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के प्राचार्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कन्या शिक्षा परिसर अनूपपुर की प्राचार्या डा. प्रमिला पाण्डेय उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य देवेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा अतिथियों की अगवानी कर उन्हें मंचासीन कराया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं प्राचार्य श्री तिवारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर देवेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा सरस्वती वंदना का मधुर गायन किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य देवेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा अतिथिओं को कैप एवं बैज पहना कर स्वागत किया गया तथा स्वागत गान प्रस्तुत किया। तत्पश्चात प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए स्वागत भाषण दिया एवं विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ना हारना जरूरी है ,ना जीतना जरूरी है। खेल को बस खेलना जरूरी है। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने उद्बोधन देते हुए कहा कि खेल को खेल भावना के साथ खेलना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे हम सहयोग, सम्मान और ईमानदारी जैसे महत्वपूर्ण गुण सीखते हैं। खेल हमें अनुशासन सिखाता है, जिससे हम समय का सही उपयोग करना और नियमों का पालन करना सीखते हैं। नियमित रूप से खेल खेलने से हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह हमें टीमवर्क, धैर्य और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। इसलिए, खेल हमारे जीवन को कई तरह से लाभ पहुंचाता है और हमें एक संतुलित तथा स्वस्थ जीवन जीने में मदद करता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डा. प्रमिला पाण्डेय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल को जीवन का हिस्सा बनाने से हमारा शरीर स्वस्थ और सक्रिय रहता है। जैसा कि कहा जाता है, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क विद्यमान होता है, इसलिए खेल हमारे मानसिक विकास में भी मदद करता है। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने खेल ध्वज फहराकर मशाल प्रज्ज्वलित कर स्पोर्ट्स मीट शुरू करने की घोषणा की। तत्पश्चात विद्यालय का राष्ट्रीय स्तर पर यू-17 खो-खो खेल में प्रतिनिधित्व करने वाली छात्रा जयश्री पटेल ने मशाल लेकर खेल मैदान का चक्कर लगाते हुए विद्यार्थियों के मन में जोश, उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

योजनाओं की प्रगति, विकास कार्यों के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विभाग एवं जनपदवार समीक्षा की

कलेक्टर सभागार में समय-सीमा की बैठक संपन्न

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में योजनाओं की प्रगति, समय-सीमा प्रकरण और विकास कार्यों के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विभाग एवं जनपदवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर अक्षय डिगरसे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिन विभागों में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की प्रगति कम पाई गई, उन्हें चेतावनी देते हुए सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सभी निर्माण विभागों को निर्देशित किया है कि जिन विभागों का भूमिपूजन, लोकार्पण किया गया है नवीन भवन में आवश्यकता के अनुसार सुविधाएं पर्याप्त न होने पर उच्च अधिकारियो को बिना अवगत कराए हैण्डओवर न किया जाए। इसी के साथ जनजातीय कार्य विभाग जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा की छात्रावास की दिवारों पर गोंडी चित्रकला स्थानीय चित्रकारों से पेंटिग की जाए। जिले के धान उर्पाजन केंद्र को सुचारू रूप से संचालन के लिए खाद्य अधिकारी नियमित रूप से धान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करते रहे ताकि केन्द्र में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो सके। धान उपार्जन केन्द्र 01 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 तक संचालित रहेंगे। और इसी क्रम में कोदो कुटकी का भी उपार्जन केंद्र निगवानी वेयर हाउस में संचालित है जहा पर आम जनता पंजीकृत किसान अपना कोदो-कुटकी श्रीअन्न को विक्रय कर सकते हैं। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा समर्थन मूल्य पर कोदो 3500 रूपये, कुटकी 4500 रूपये मूल्य पर क्रय की जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारी को सख्त निर्देश हैं कि रबी की फसल में बोए जाने वाले बीज चना, मसूर, सरसों, राई, गेंहू, मटर, अलसी आदि का वितरण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक शिविर के माध्यम से पात्र किसानों को वितरित की जाए और किसानों की आवश्यकता के अनुसार खाद डीएपी, यूरिया, फास्फेट आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखे जाएं ताकि किसानों को समय पर उपलब्ध हो सके कलेक्टर ने कहा की स्थानीय उत्पाद को बढावा देने के उद्येश्य से प्रत्येक रविवार को अलग से कृषि उपज मंडी में जैविक सब्जी, स्वदेशी उत्पादन, ओर्गेनिक, समूह द्वारा उत्पाद का हाट बाजार लगाया जाएगा, जिससे स्थानीय उत्पादों को मार्केट प्राप्त होगा। कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को जिले में अवैधानिक रूप से मादक पदार्थ बेचने वाले व्यक्तियों पर छापेमार कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही साथ खनिज विभाग के अधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि उत्खनन, भण्डारण, अवैध परिवहन, अवैध उत्खनन, अवैध भंडारण एवं अवैधानिक रूप से संचालित क्रेशरों पर सख्त कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने परिवहन विभाग अधिकारी को सख्त निर्देश दिए हैं जिले में संचालित स्कूल बस, कार, डम्पर, चार पहिया वाहन, तीन पहिया वाहन टेक्सी, टैम्पो, तूफान, यात्री बसों के आवश्यक दस्तावेज, फिटनेस, बीमा, रजिस्ट्रेशन, ड्रायविंग लायसेंस, प्रदूषण प्रमाण पत्र आदि जांच कर अवैध रूप से संचालित परिवहन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मनरेगा प्रभारी अधिकारी एवं समस्त सीईओ को विकासखंड स्तर पर सामग्री के विरूद्ध शासन के निर्धारित मापदंड के अनुसार सामग्री का भौतिक सत्यापन कर ही सामग्री का भुगतान करवाएं। साथ ही पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, नवीन सामुदायिक भवन, अटल सुशासन भवन, नवीन जनपद पंचायत भवन, ग्रेवल सडक निर्माण कार्य, अमृत सरोवर डग आउट पॉइंट, स्टॉप डेम आदि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अन्दर पूर्ण किये जाएं। इसी के साथ नगर परिषद डिंडौरी को सीएमओ प्रधानमंत्री आवास को एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण कराने के निर्देश दिए ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध हो सके।

कलेक्टर ने धन धान्य कृषि योजना पर जोर देते हुए कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, आत्मा, उद्यानिकी, एनआरएलएम, कॉप्रेटिव, वाटरशेड, को आगामी छः वर्ष तक विभाग के द्वारा किए जाने वाले कार्यों को प्रोजेक्ट बनाने के निर्देश दिए 10 दिसंबर को होने वाली डीएलसीसी की बैठक में सभी उद्यमी विभाग अपने-अपने स्वरोजगार येजना के प्रकरण बैंकवार बैठक में तैयार कर प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने जनकल्याणकारी स्वास्थ्य शिविर समनापुर में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री एंव एसडीओ को शिविर मं बिना अनुमति के उपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ ऐसे विभागीय अधिकारी जो शिविर में बिना अनुमति के अनुपस्थित रहे उन्हें भी नोटिस जारी किये जायेंगे। कलेक्टर ने जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देश दिये है कि डोर-टू-डोर सर्वे से धरती आबा योजना में ग्रामीण क्षेत्र के सभी पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराये जाए। ताकि जिले मी कोई भी वंचित न रह सके। कलेक्टर ने ग्रामीण यांत्रिकी विभाग को सख्त निर्देश दिए है की जिले के समस्त नदी नालों पर बने डेम पर पानी रोको अभियान के अंतर्गत सभी स्टाप डेम पर गेट लगाकर रोका जाए जिससे जीव-जन्तु एंव किसान के उत्पादन में वृद्धि कर सके। साथ ही साथ मत्स्य अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की जिले के तालाब, अमृत सरोवर, खेत तालाब, जल गंगा संर्वधन तालाब में ग्राम समितियों के माध्यम से मत्स्य पालन कराये जाए जिससे ग्रामीण अंचलों के लोगो रोजगार प्राप्त हो सके।

कलेक्टर ने किसानों, आम जनता की ई-केवाईसी अमृत योजना, नल-जल योजना, मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड, उद्यम क्रांति योजना प्रकरण, जैसी स्वरोजगार योजनओं से युवा-युवतियों को लाभान्वित किया जाए। कलेक्टर ने नगरपालिका डिंडौरी, शहपुरा सीएमओ, तहसीलदार डिंडौरी को नवीन बस स्टेण्ड बनाये जाने हेतु औरई बायपास रोड पर जमीन चिन्हित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महिला बाल विकास एवं सीएमएचओ को पोषण पुनर्वास केन्द्र में ग्रामीण अंचलों के सेम, मेम बच्चों को भर्ती करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री जनमन योजना के द्वारा बनाए जा रहे भवन, आंगनवाडी केन्द्रों का कार्य पूर्ण न करने पर सरपंच, सचिव को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में संचालित छात्रावास, आश्रम और विद्यालय एवं शालाओं का नियमित रूप से निरीक्षण करें। जिससे छात्रावास में निवासरत बच्चों को सर्वसुविधा प्राप्त हो सके। छात्रावासों में मरम्मत कार्य हेतु राशि आवंटित की गई है जिससे निर्माण ऐजेंसी के द्वारा आवश्यकता के अनुसार अधूरे कार्य पूर्ण करवाए जाएं। जिसका सत्यापन निरीक्षणकर्ता अधिकारी के प्रतिवेदन देने के उपरांत ही ठेकेदार का भुगतान किया जाएगा। इसलिए मरम्मत कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

नशा मुक्त डिंडोरी लक्ष्य को लेकर जिला स्तरीय बैठक संपन्न

डिंडौरी

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में नशा मुक्ति अभियान से संबंधित जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले को "नशा मुक्त डिंडोरी" बनाने के उद्देश्य से अनेक अहम निर्णय लिए गए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिलेभर में आयोजित होने वाले प्रत्येक शिविर में कार्यक्रम की शुरुआत नशा मुक्ति की शपथ के साथ की जाए, जिससे जन-जागरूकता का संदेश सीधे आमजन तक पहुँच सके। उन्होंने स्कूलों, धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक संस्थानों के 100 मीटर दायरे में नशे से संबंधित गतिविधियों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए तथा पुलिस एवं संबंधित विभागों को सख्ती से नियमों का पालन सुनिश्चित करने कहा। शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विद्यालयों के बाहर नशा मुक्ति जागरूकता पोस्टर, फ्लेक्स एवं सूचना सामग्री अनिवार्य रूप से लगाने को कहा गया। साथ ही कलेक्टर ने स्वयं हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत करते हुए जिलेभर में विशाल हस्ताक्षर अभियान चलाने की घोषणा की, ताकि नागरिकों में नशा छोड़ने की प्रेरणा और दृढ़ संकल्प विकसित हो सके। कलेक्टर ने सभी विभागों को अपने-अपने स्तर पर जागरूकता बढ़ाने व अभियान को मिशन मोड में क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी शिविरों में दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

बैठक में डीएफओ, सीईओ जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम शहपुरा, बजाग व डिंडौरी, सभी तहसीलदार-नायब त ह सी ल दा र , सीएमओ सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है। अतः सभी लोग नशे से दूर रहें और "नशा मुक्त डिंडोरी" के संकल्प को सफल बनाने में अपना सहयोग दें।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर लगाया गया फ्लैग बैज

डिंडौरी । देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों और पूर्व सैनिकों के सम्मान में प्रत्येक वर्ष 7 दिसंबर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय शहडोल द्वारा बुधवार को फ्लैग बैज लगाकर जन-जागरूकता एवं दान संग्रह अभियान संचालित किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अरुण शुक्ला (से.नि.) के नेतृत्व में कल्याण संयोजक ओंकार लाल गवली एवं श्री हरेन्द्र नाथ ओझा द्वारा कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डिंडौरी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा डिप्टी कलेक्टर श्री वैद्यनाथ वासनिक को फ्लैग बैज लगाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने बलिदानी सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक नागरिकों को इस पुनीत कार्य में सहयोग करने की अपील की। कर्नल शुक्ला ने बताया कि झंडा दिवस पर एकत्रित धनराशि आयकर मुक्त होती है तथा यह दिवंगत एवं अपांग पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों के कल्याण पर व्यय की जाती है। उन्होंने कहा कि जो संस्थाएँ या व्यक्ति 1 लाख अथवा उससे अधिक की सहायता राशि प्रदान करते हैं, उन्हें राज्यपाल द्वारा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाता है। उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह किया कि वे अमलगमेटेड एक्स-सर्विसमेन बेनेवोलेन्ट फंड में योगदान देकर अपने वीर सैनिकों के परिवारों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करें।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, बजाग में जल संचयन हेतु बोरी बंधान कार्य सम्पन्न

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड बजाग द्वारा चलाए जा रहे जल संचय और संरक्षण अभियान के तहत शुक्रवार को ग्राम स्तर पर नाला बंधान गतिविधि आयोजित की गई। जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था नर्मदा समिति खरगहना सेक्टर क्रमांक 05 के सदस्यों तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों ने ग्राम कौडिया और खरगहना में श्रमदान किया।ग्राम कौडिया में शंकर नाला पर 25 बोरियों की सहायता से छोटा जलाशय तैयार किया गया, जबकि ग्राम खरगहना में पीपर नाला पर 20 बोरियों का उपयोग कर अस्थायी बांध बनाया गया। इस प्रयास से वर्षा जल का बेहतर संचयन संभव होगा, जिससे ग्रामीणों और किसानों को सिंचाई, पशुओं के पेयजल और घरेलू उपयोग के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा।

विकासखंड समन्वयक अंजू दुबे ने बताया कि श्रमदान आधारित यह अभियान ग्रामीण समुदाय को जल संरक्षण के प्रति जागरूक और सक्रिय बनाने का प्रयास है। उनके अनुसार बोरी बंधान जैसे सरल उपाय भू-जल स्तर सुधारने के साथ-साथ सामुदायिक सहभागिता को भी मजबूत करते हैं।कार्यक्रम में नर्मदा समिति खरगहना के सचिव बालकिशोर, मेंटर खिलावन सिंह गौतम, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष कोमल यादव, सचिव कृष्ण कांत यादव, दिनेश धुर्वे, सचिव गायत्री यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियानः शहपुरा में BLO की बैठक, 66 त्रुटियाँ चिन्हित

शहपुरा

शहपुरा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक मतदान केंद्र संख्या 2079, देवी वार्ड में आयोजित हुई, जिसमें बूथ लेवल ऑफिसर्स (BLO), उनके सहयोगी बूथ लेवल एजेंट्स (BLA) और शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टि (डबल एंट्री) वाले नामों को हटाकर सूची को त्रुटिहीन बनाना था।इस अभियान में पारदर्शिता और राजनीतिक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए मंडल के महामंत्री नितिन गुप्ता, वार्ड नंबर 15 की पार्षद, और वार्ड नंबर 13 के पार्षद विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, संलग्न सूची अनुसार मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल हुए। बैठकें शासकीय प्राथमिक शाला पुनवासी मोहल्ला शहपुरा, हनुमान वार्ड और देवी वार्ड में आयोजित की गईं, जहाँ सभी BLO और सहयोगियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बूथ 79 और 80 में चिन्हित त्रुटियों का विवरण

बैठक के दौरान दोनों बूथों की मतदाता सूचियों में सुधार योग्य प्रविष्टियों के विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किए गएः सुधार का प्रकारबूथ 79 (कुल मतदाताः 853)बूथ 80 (कुल मतदाताः 547)कुल चिन्हित त्रुटियाँमृत मतदाता431861दोहरी प्रविष्टि03-03 मिसिंग (अनुपस्थित/स्थानांतरित)-04 कुल सुधार योग्य मामले 66,कुल 66 प्रविष्टियाँ ऐसी पाई गईं जिन पर तत्काल कार्रवाई की जानी है। इनमें सर्वाधिक 61 मामले मृत मतदाताओं से संबंधित हैं। अधिकारियों ने उपस्थित सभी BLO और शिक्षकों को जल्द से जल्द इन त्रुटियों को सुधारने और गणना फ़ॉर्म प्राप्त न होने वाले मतदाताओं के संबंध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एसआईआर कार्य पूर्ण ग्राम सभा में हुआ वाचन

अमरपुर।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर का कार्य बीएलओ द्वारा अमरपुर के भाग संख्या 309 एवं 310 का कार्य पूर्ण कर ग्राम पंचायत अमरपुर में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जहां पर ग्रामीणों के साथ राजनैतिक पार्टी के पदाधिकारी एवं बीएलओ 2 भी उपस्थित रहे। जिसमें बीएलओ भाग संख्या 309 रविंद्र धार्वे के अनुसार 71 नाम विलोपित किए गए हैं। वहीं पर भाग संख्या 310 अमित कुंजाम के अनुसार 106 नाम विलोपित किए गए हैं। इस प्रकार अमरपुर ग्राम पंचायत से 177 नाम विलोपित किए गए हैं। जानकारी अनुसार विलोपन संख्या बढ़ने का मुख्य कारण यह हैं कि ब्लॉक मुख्यालय में पदस्थ अधिकारी कर्मचारीगण अपने नाम ग्रह ग्राम के भाग में ही रखते हुए विलोपित कराया गया हैं। आयोजित ग्राम सभा में ग्राम पंचायत सरपंच रामनाथ उइे, महेंद्र ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, शाहिद तुर्क संगठन मंत्री, प्रदीप बनवासी, संदीप शाह परस्ते कांग्रेस बीएलए, माखन साहू भाजपा महामंत्री, गुलाब सिंह ठाकुर, साहब लाल पुषाम, संजय यादव ग्राम रोजगार सहायक, अमरपुर के सभी चार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य में धान खरीदी प्रारंभ

अमरपुर। शासन द्वारा समर्थन मूल्य में किसानों के धान फसल का उपार्जन कार्य लेम्पस अमरपुर द्वारा नांदा वियर हाउस में 8 दिसंबर से प्रारंभ कर दिया गया हैं। वर्ष के प्रथम विक्रेता किसान भारत यादव बिजौरी द्वारा तौल कराया गया। इसके पूर्व खरीदी प्रभारी सुनील दुबे द्वारा अतिथियों से पूजन अर्चन कर प्रारंभ किया गया। जहां प्रमुख रूप से महेंद्र ठाकुर पूर्व संचालक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मंडला, गजराज महदेले पूर्व अध्यक्ष लेम्पस अमरपुर, तुलसीराम परस्ते पूर्व अध्यक्ष एवं ग्राम पटेल अमरपुर, अनवर खान सहायक प्रबंधक लेम्पस अमरपुर, राम प्रकाश राजपूत शासन द्वारा नियुक्त सर्वेयर, नागेंद्र बट्टे कंप्यूटर ऑपरेटर, सुदेश नाथ परिहार, आशीष सहित संस्था के कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर के नाम एसडीएम को पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

बिना पूर्व नोटिस के निलंबन से व्यथित पटवारियों ने हड़ताल की

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

रविवार को प्रांतीय पटवारी संघ इकाई कोतमा के द्वारा कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सौंपते हुए मांग किया गया है कि तहसील कोतमा अंतर्गत पदस्थ पटवारी सत्येन्द्र कुमार विश्वकर्मा को बिना पूर्व नोटिस के निलंबन से व्यथित होकर समस्त पटवारी हड़ताल सोमवार से हड़ताल में जाने के लिए बाध्य हैं। सोमवार को कोतमा तहसील के समस्त पटवारी तहसील परिसर में हड़ताल करते हुए धरने मे बैठ गये। पटवारियों की मांग है कि कलेक्टर अनूपपुर के द्वारा 06 दिसम्बर को जिला अनूपपुर अंतर्गत 03 पटवारी एवं तहसील कोतमा अंतर्गत पटवारी सत्येन्द्र कुमार विश्वकर्मा का निलंबन किया गया है। जबकि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा के द्वारा पिछले 01 माह से तहसील कोतमा के समस्त पटवारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा कराये जा रहे कार्य में संलग्न कर नियत समय के पूर्व सत-प्रतिशत कार्य का संपादन कराया गया जबकि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 11 दिसम्बर है किन्तु पटवारियों के अथक प्रयास एवं सहयोग से पूर्व में नियत अंतिम समयावधि 04 दिसम्बर के पूर्व ही डिजिटाजेशन का कार्य पूर्ण करा दिया गया है। 04 दिसम्बर को जिला कार्यालय में राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई जिसमें कार्य में व्यस्तता होने के कारण राजस्व के सारे कार्य उच्च स्तर से निम्न स्तर के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा स्थगित कर दिया गया था, इसके बावजूद उक्त पटवारी द्वारा न्यायालयीन प्रकरणों में जॉच रिपोर्ट न्यायालय में पूर्व से ही जमा किया जा चुका था।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 9 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

ट्रांसफार्म से दो लोग जले

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस रेलवे में विद्युत कार्य करते समय दो कर्मचारी झुलस गए। अस्पताल पुलिस चैकी द्वारा दी गई जानकारी के मनीष मेहरा पिता शंकर लाल मेहरा उम्र 38 वर्ष निवासी वनखेड़ी जिला नर्मदापुरम एवं रमेश कुमार पिता श्रीरामबली उम्र 56 वर्ष निवासी शारदा कालोनी थाना स्टेशनगंज जिला नरसिंहपुर स्थानीय शारदा कालोनी मे विद्युत कार्य कर रहे थे तभी ट्रांसफार्म फटने के कारण गर्म तेल से जल गए जिन्हे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली के पास हुई सड़क दुर्घटना मे युवक घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि हरगोविंद कौरव पिता नंदकिशोर कौरव उम्र 30 वर्ष निवासी बरहटा थाना चीचली करेली वायपास के पास हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

श्रीमती चिंतामणि देवी जाटव का निधन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नगर निवासी हरनारायण जाटव की धर्मपत्नि श्रीमती चिंतामणि देवी का निधन हो गया। आप घनश्याम जाटव (बंटी) स्वास्थ्य विभाग नरसिंहपुर की माताजी थी। जिनका अंतिम संस्कार निवास गजानन सोसायटी कछपुरा ब्रिज जबलपुर से रानीताल चैक मुक्तिधाम जबलपुर में किया गया जहां पर समाज के सभी वर्गों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

संतोष कुमार तामकार का स्वर्गवास

गोटेगांव। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक शास्त्री वार्ड पथारिया कुआं निवासी संतोष कुमार तामकार का लगभग 53 वर्ष की आयु में अस्वास्थ्यता के चलते निधन हो गया। आप सहज सरल मिलन सार व्यक्तित्व के धनी श्री तामकार के निधन समाचार के प्राप्त होते ही परिवार व शुभ चितकों में गहरा शोक व्याप्त होगया। अंतिम संस्कार शवयात्रा में सभी वर्ग समुदाय के लोगो सहित। विभिन्न राजनैतिक सामाजिक संगठनों के जन प्रतिनिधियों ने शामिल होकर दिवंगत श्री तामकार की ब्रम्हलीन आत्मा को अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवारको गहन दुख सहन करने ईश्वर से प्रार्थना की आप सत्य तामकार के पिताजी थे।

3 टन थाई मागुर मछली जप्ती का मामला

प्रतिबंधित मछली का कब से चल रहा था व्यापार

प्रशासन की कार्रवाई पर संदेह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते दिवस पुलिस एवं मत्सय विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए 3 टन थाई मागुर प्रजाति की मछली का परिवहन करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस द्वारा जांच पड़ताल के बाद उक्त वाहन एवं मछलियों को आगे की कार्रवाई के लिए मत्सय विभाग को सौंप दिया गया। मत्स विभाग की पुष्टि से पता चला कि उक्त मछली थाई मागुर है जो कि देश में प्रतिबंधित होने के कारण इस विक्रय नही हो सकता है। वही उक्त मछली के दफन की कार्रवाई के बाद लोगों द्वारा कई सवाल किए जा रहे है। प्रशासन द्वारा जब्ती से लेकर दफन तक की कार्रवाई प्रशासनिक अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई है।

मामला इस प्रकार

सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि जिले के सिंहपुर तिराहा के पास शनिवार की रात्रि लगभग 10.30 बजे पिकअप वाहन क्रमांक एमएच 49 बीजेड 5655 एवं पिकअप वाहन क्रमांक एमएच 49 बीजेड 2008 जिसमें क्रमश 1.5 टन और 1.5 टन इस तरह कुल 3 टन प्रतिबंधित थाईलैंड प्रजाति की मांगुर मछली को अवैधानिक परिवहन करते हुए पकड़ी गई, जो महाराष्ट्र से बनखेड़ी (होशंगाबाद) ले जाई जा रही थी। पुलिस और मत्स्य विभाग नरसिंहपुर द्वारा परिवहन की जा रही प्रतिबंधित मछली थाईलैंड मांगुर मछली को जब्त की गई। पुलिस स्टेशनगंज थाना नरसिंहपुर में एफआईआर दर्ज कराई गई। जप्त की गई प्रतिबंधित थाईलैंड मांगुर मछली को विंध्यसिटी के पीछे, निरंजन वार्ड नरसिंहपुर में जेसीबी मशीन से गहरा गड्ढा करके दफन कर विनष्टीकरण कराया गया।

निजी भूमि पर किया गया दफन

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशासन द्वारा जब्त की गई मछलियों को निजी जगह पर दफन किया गया है। उक्त संबंध मे मत्सय अधिकारी श्रीमती बबीता चैरसिया द्वारा बताया गया कि मछली जब्ती की कार्रवाई के उनके विनिष्टीकरण

के लिए खाली तथा एकांत जगह दफनाया जाना था जिससे किसी प्रकार की रहवासी या अन्य नागरिकों को परेशानी बदबू आदि से ना आए किसकी जगह इसके संबंध मे कोई जानकारी नही है। उक्त प्रजाति की मछली दफन करने के 4 से 5 घंटे मे सड़ जाती है। उक्त मछली कह पहचान विभागीय अधिकारियों को होती है । उसकी बनावट के आधार पर पहचान किया जा सकता है। जब्त की गई मछलियों का सैंपल लेने की आवश्यकता नही होती है। अब देखना होगा कि उक्त घटना के बाद प्रशासन सजग होता है या नही क्योकि उक्त कारोबारियों द्वारा पूर्व मे भी उक्त मछलियों की खेप भेजी गई होगी।

प्रशासन की सजगता जरूरी

प्रशासन द्वार समय समय पर इस प्रकार की कार्रवाई करते रहना भी जरूरी है क्योकि मछलियों को सप्लाई करने वाले सिंडीकेट द्वारा यह कोई पहली खेप नही है पूर्व में भी उनके द्वारा उक्त मछलियों को सप्लाई किया गया होगा। उक्त मामले के बाद से प्रशासन को सीख लेनी चाहिए। उक्त मछली भारत में इसलिए प्रतिबंधित है क्योकि इसके खाने से कैंसर, डायबिटीज जैसी बीमारियों होती हैं। पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। पुलिस के मुताबिक स्टेशनगंज थाना पुलिस ने देर रात कार्रवाई की। एमएच 49 बीजेड 2008 और एमएच 49 बीजेड 5655 नंबर के इन वाहनों में भारी मात्रा में थाई मांगुर मछली भरी मिली। दोनों वाहनों में 1500-1500 किलो मछली भरी थी। मछली को चारों ओर से तिरपाल लगाकर पानी भरकर भरा गया था। मछली को दो पिकअप वाहनों में नागपुर से नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी क्षेत्र ले जाई जा रही थी। जांच में पता चला कि पिकअप में भरी मछली थाईलैंड मांगुर प्रजाति की है। यह भारत में प्रतिबंधित है। वाहन चालक मछलियों के परिवहन संबंधी आवश्यक अनुमति और दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। इसके बाद मत्स्य विभाग और पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से मछली जब्त कर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। उक्त मामले में आगे की जांच जारी है।

कलार महिला मंडल ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रविवार को नगर कलार महिला मंडल ने मंडल संरक्षक, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज राय को उनके त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होकर मंडल की सभी सदस्यों ने मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। सभी ने समाज और नगर हित में उनके कार्यो को याद किया। इस अवसर पर विभिन्न संगठन के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

एक देशी कट्टा एवं पिस्टल के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज पुलिस द्वारा अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति भैंसा कालोनी, ग्राम जैतपुर, छिंदवाडा रोड एनएच 547 क्षेत्र में अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम त्रिलोक उर्फ तन्नू मेहरा निवासी ग्राम पाला (भैंसा), चैकी सिंहपुर, थाना स्टेशनगंज, जिला नरसिंहपुर बताया गया आरोपी से एक .315 बोर का देशी कट्टा, एक देशी पिस्टल एवं 04 खाली खोखा जप्त किया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 25 (1-बी), (ए), 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

गड्ढों में तब्दील सड़क, बीमार होने पर गांव में नहीं पहुंचती एम्बुलेंस

मरीजों को हाथ ठेला या चारपाई पर लादकर ले जाना पड़ता है

गोटेगांव तहसील क्षेत्र के भैंसा गांव से खोबी गांव तक बनी प्रधानमंत्री सड़क योजना की सड़क अब पूरी तरह से बदहाल हो चुकी है। कभी ग्रामीणों की उम्मीदों का रास्ता रही यह सड़क आज दलदल और गड्ढों में तब्दील हो गई है।बारिश के मौसम में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं। सड़क की जगह कीचड़ नजर आती है, जिसमें न केवल वाहन फंसते हैं, बल्कि लोगों की दिनचर्या भी ठप हो जाती है। भैंसा गांव के अंदर से गुजरने वाला सड़क का हिस्सा इतनी खराब स्थिति में है कि स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ती है।स्कूल जाने वाले बच्चे, बीमार लोग और काम पर जाने वाले मजदूर हर दिन इस कीचड़ से होकर गुजरते हैं। वहीं दूभा झोझा और राखी गांवों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनी सड़कें यहां भी बुरी तरह टूट चुकी हैं। सड़क पर कहीं-कहीं केवल डामर के चिह्न ही बचे हैं, बाकी जगह गहरे और खतरनाक गड्ढे हैं, जो राहगीरों के लिए प्रतिदिन दुर्घटना का कारण बनते हैं।दूभा झोझा गांव में हालात और भी चिंताजनक हैं। यहां अगर कोई बीमार हो जाए तो एम्बुलेंस तक पहुंच नहीं पाती। टूटी सड़क के कारण मरीजों को हाथ ठेला या चारपाई पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार जहां गांव-गांव स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का दावा करती है, वहीं सड़क की वास्तविक स्थिति उन दावों की सच्चाई उजागर कर देती है।ग्रामीणों की मांग है कि इन सड़कों की मरम्मत सिर्फ निर्माण कार्य न समझा जाए, बल्कि इसे लोगों के जीवन और गरिमा से जोड़ा जाए। यह सड़क बच्चों के स्कूल जाने, महिलाओं की प्रसव यात्रा, बुजुर्गों की दवाइयों और हर ग्रामीण की उम्मीद का रास्ता है। अगर यह मार्ग बंद हो जाए तो गांव की जिंदगी ठहर सी जाती है।स्थानीय लोगों ने शासन और जिम्मेदार अधिकारियों से जल्द इस सड़क की मरम्मत कराने की अपील की है, ताकि ग्रामीणों को रोजमर्रा की परेशानियों से राहत मिल सके।

शौर्य, बलिदान और अनुशासन का प्रतीक सशस्त्र सेना झंडा दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, बलिदान और अनुशासन का प्रतीक सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन किया गया। कलेक्टर ने नियत समय में भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए लक्ष्य राशि (अंशदान) को पूर्ण करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने लक्ष्य राशि हासिल करने में अपना सहयोग प्रदान करने पर धन्यवाद दिया। कलेक्टर ने उम्मीद जताते हुए कहा कि प्रतिवर्ष इसी प्रकार अंशदान देकर सहयोग देंगे, जिससे निर्धारित लक्ष्य को समय सीमा में प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत सहित अन्य अधिकारियों को एनसीसी कैडेट्स एवं पूर्व सैनिकों ने शस्त्र सेना झंडा दिवस पर फ्लैग लगाया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल भार्गव (से.नि.), सैनिक कल्याण संयोजक राम सिंह तेकाम, एनसीसी कैडेट्स, भूतपूर्व सैनिक सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, बलिदान और अनुशासन का प्रतीक सशस्त्र सेना झंडा दिवस प्रतिवर्ष 7 दिसम्बर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारजनों के कल्याण के लिए सहयोग प्रदान करना है। यह दिवस भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण हेतु धन संग्रह का दिन है। झंडा दिवस पर स्टीकर एवं झंडों का वितरण कर प्राप्त राशि एकत्र की जाती है। झंडे के तीन रंग (लाल, गहरा नीला और हल्का नीला) क्रमश थल सेना, नौसेना और वायुसेना का प्रतिनिधित्व करते हैं।

नगर में मॉडल रोड की तर्ज पर बने डिवाइडर बेकार साबित

पौधारोपण न होने से सौंदर्यीकरण अधूरा

शोभा की सुपारी बने डिवाइडर, नगरीय प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की अनदेखी

गोटेगाँव। सड़कों के बीचो-बीच बने डिवाइडरों में लगे फुल फुलवारी पेड़ पौधे हरियाली नगर में चार चांद लगाने का कार्य करती हैं जिससे नगर की सुंदरता भव्यता और दिव्याता दिखने के साथ-साथ वातावरण को खुशनुमा बनाती है लेकिन यहां पर कोई जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहा है। आपको बता दे की नगर के ह्रदय स्थल फुहारा चौक से रिपटा तक बनाई गई सड़क को मॉडल रोड की तर्ज पर विकसित किया गया था। इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से सड़क के बीचों-बीच पुख्ता डिवाइडर निर्मित किए गए थे। डिवाइडरों के बीच खाली स्थलों को हरियाली से आच्छादित करने के लिए पौधरोपण की योजना भी बनाई गई थी, जिससे न केवल मार्ग का सौंदर्य बढ़ता बल्कि वातावरण भी स्वच्छ एवं सुखद बनता। लेकिन अब यह डिवाइड शोभा की सुपारी बनकर रह गए हैं । क्योंकि निर्माण के बाद बर्षों बीत जाने के बावजूद भी इन डिवाइडरों में कहीं भी पेड़-पौधे फूल फुलवारी हरियाली नहीं लगाए गए। खाली पड़े डिवाइडर अब अनुपयोगी साबित हो रहे हैं। ना तो इस और संबंधित विभाग ध्यान दे रहा है ना ही जनप्रतिनिधि, अब स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिस उद्देश्य से इन्हें बनाया गया था, वह अधूरा रह गया है। बिना पौधारोपण के ये डिवाइडर न तो सौंदर्य बढ़ा रहे हैं और न ही नगर में हरियाली के विस्तार में सहायक बन पा रहे हैं। नागरिकों ने नगर परिषद और संबंधित विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द इन डिवाइडरों में पौधरोपण किया जाए, जिससे मॉडल रोड की सुंदरता और उपयोगिता दोनों में वृद्धि हो सके। साथ ही नियमित रखरखाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि ये डिवाइडर आगामी वर्षों में प्रभावी ढंग से नगर के सौंदर्यीकरण में योगदान दे सकें! नगर की सुंदरता और नगर में चार चांद लगाने वाले डिवाइडरों में हरियाली और फूल फुलवारी लगाने से नगर की रौनक बढ़ेगी! अब यहां पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभाग को इस और ध्यान आकर्षित कर इस कार्य को करना नगर एवं नागरिकों के हित में यह कदम न्यायोचित होगा। ।

इनका कहना

जागरूक स्थानीय नागरिक महेंद्र गुप्ता ने बताया कि यह मॉडल रोड जब से बनी है तब से लेकर अब तक यहां पर संबंधित विभाग या फिर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा इन डिवाइडरों में किसी भी हरियाली फुल फुलवारी लगाने की पहल नहीं की गई है साथ ही कुछ समय पूर्व हमने एवं कुछ स्थानीय और भी लोगों की मदद से यहां पर फूलों के पौधे लगाकर बांसौ से उन्हें सुरक्षित किया गया था लेकिन अन्य जिम्मेदारों द्वारा ध्यान न देने के कारण यह सौंदर्य करण का कार्य अधूरा है इस और संबंधित विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को ध्यान आकर्षित कर डिवाइडरों की दुर्दशा को सुधार कार्य कराकर इसमें हरे-भरे पौधे लगाने का कार्य किया जाना चाहिए ताकि नगर की सुंदरता के साथ-साथ नगरीकों को सुंदर वातावरण मिल सके और नगर की सुंदरता बढ़े i

अमृत सरोवर योजना को पलीता लगाते कर्मचारी: बेलखेड़ी शेढ पंचायत का मामला

23.80 लाख रुपए की लागत से बने अमृत सरोवर में नहीं रुकता पानी, अनुपयोगी हो रहा साबित

गोटेगांव जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत बेलखेड़ी शेढ में पिछले वर्ष शासन की महत्वाकांक्षी अमृत सरोवर योजना के तहत 23.80 लाख रुपए की लागत से तालाब का निर्माण कराया गया था। लेकिन निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी और गलत स्थान के चयन के कारण यह तालाब वर्षा जल को संग्रहित करने में पूरी तरह असफल रहा। परिणामस्वरूप पूरा वर्ष यह तालाब सूखा ही पड़ा रहा और योजना का उद्देश्य अधूरा रह गया। स्थानीय लोगों और पंचायत सचिव पूरनलाल मेहरा के अनुसार सरोवर को ऐसे स्थान पर बनाया गया, जहां पहले से ही कई गहरी खुदाई के गड्ढे बने हुए थे। बारिश का पानी पहले उन्हीं में भर जाता है और कुछ ही दिनों में जमीन में समा जाता है। इसके अलावा तालाब के पास से बहने वाली शेढ नदी भी पानी के ठहराव में बाधा बनती है, जिसके कारण तालाब लंबे समय तक पानी संचित नहीं कर पाता।सचिव मेहरा ने बताया कि दो वर्ष पहले बाढ़ के दौरान यह तालाब टूट गया था, जिसे बाद में ठीक तो किया गया, लेकिन फिर भी तालाब में पानी टिक नहीं पा रहा है। फिलहाल इसका उपयोग केवल मवेशियों के पानी पीने तक सीमित रह गया है, जिससे इसकी उपयोगिता नगण्य हो गई है। जिस उद्देश्य से इसका निर्माण किया गया था, वह पूरी तरह विफल साबित हुआ है।

करीब 23.80 लाख रुपए की राशि से तैयार इस तालाब का वास्तविक उपयोग न हो पाने से सरकारी धनराशि लगभग व्यर्थ चली गई है। सचिव मेहरा का कहना है कि पंचायत में अन्य उपयुक्त स्थल और सरकारी भूमि उपलब्ध थी, जहां बेहतर तालाब निर्माण हो सकता था। लेकिन यह तालाब उनके कार्यकाल से पहले ही बन चुका था, इसलिए वे स्थान चयन की प्रक्रिया से जुड़े नहीं थे।

इंजीनियरिंग में लापरवाही पर सवाल

स्थानीय जनपद पंचायत के इंजीनियरों को भलीभांति जानकारी होती है कि किस स्थान पर तालाब बनाना चाहिए, ताकि उसमें वर्षा जल का ठहराव लंबे समय तक हो सके। अब ग्रामीणों के बीच यह बड़ा सवाल उठ रहा है कि आखिर किस इंजीनियर की सिफारिश पर इस अनुपयुक्त स्थल का चयन किया गया, जिससे 23 लाख 80 हजार रुपए की राशि व्यर्थ चली गई और अमृत सरोवर योजना की भावना को आघात पहुंचा।

अन्न देव से बढ़कर कोई नहीं

इसकी बर्बादी करने वालों को देना होता है दाने दाने का हिसाब

तेंदूखेड़ा अन्न देव से बढ़कर दुनिया में कोई नहीं है।एक एक दाने के हिसाब भी हमने दृष्टांतों के माध्यम से भी देखे हैं। हमें इसकी अहमियत को दृष्टिगत रखते हुए भोजन की बर्बादी को रोकने की दिशा में समाज में जनजागरण करने की जरूरत है और हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी भी है कि भोजन को व्यर्थ में ना फेंके जितना उपयोग में लिया जाना है उतना ही अपनी थाली या प्लेट में लेवें।इन महत्वपूर्ण पहलुओं की दिशा में समाचार पत्रों द्वारा समय समय पर जन जागरण अभियान चलायें जाते है। निश्चित रूप से समय की उपयोगिता और यह सजगता भी है।इस विषय को लेकर हमारे क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाज सेवियों विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों द्वारा अपने अपने विचार साझा किए हैं।

भोजन बर्बादी रोकना अत्यंत महत्वपूर्ण

गायत्री परिवार का तो यही लक्ष्य है उतना ही लो थाली में व्यर्थ न जाये नाली में। अन्न बर्बादी रोकने के इस अभियान जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है हम सब हर आयोजन में होने वाले अन्न की बर्बादी रोकने में आगे आकर सहयोग देकर इस सराहनीय कदम को सफल बनाने में अपना योगदान तो दे ही रहें हैं और यज्ञ अनुष्ठानों विचार गोष्ठियों के माध्यम से समाज में जनजागरण भी किया करते हैं।

वृन्दावन पटेल समन्वयक
वरिष्ठ गायत्री परिजन

रोटी रोटी को मोहताज लोगों से सबक लें

हमने अक्सर कर देखा है कि गरीब असहाय बेसहारा निर्धन वर्ग के लोगों को एक एक रोटी को मोहताज भटकते हुए देखा है। और हम शादी समारोहों पार्टियों में व्यर्थ में ही कितना भोजन बर्बाद कर दिया करतें हैं। गार्डनों के बाजू में कितना फालतू भोजन फालतू फिकता है।इस पर रोक लगाने की जरूरत है । तथा इस तरह के अभियान में सहयोग करने की जरूरत है।लोधी महासभा के माध्यम से होने वाले आयोजनों में इस पर जन जागरण किया जा रहा है।

डॉ. एन एस पटेल
वरिष्ठ समाजसेवी लोधी महासभा

भोजन जीवन का आधार एवं परमात्मा का स्वरुप है

भोजन समस्त प्राणियों के जीवन का आधार है। जीवन को बनाए रखनेऔर स्वस्थ जीवन के लिए भी इसकी विशेष भूमिका है। शरीर को ऊर्जा देने के साथ बुद्धि विकास के

लिए भोजन का विशेष महत्त्व है। भोजन मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। भोजन शरीर के लिए आवश्यक सभी तत्वों की पूर्ति के साथ मानसिक रुप से स्वस्थ रखता है। आध्यात्मिक दृष्टि से अन्न साक्षात परमात्मा का स्वरुप है।इसको व्यर्थ बर्बाद नहीं करना चाहिए। अन्न की व्यर्थ बर्बादी से लगने वाले पाप से हमें बचने के लिए इसके महत्व को समझकर जागरूकता के साथ अन्न को बचाने का प्रयास करना चाहिए। उतना ही लो थाली में व्यर्थ ना जाए नाली में

अन्न रुपी प्राण शक्ति को व्यर्थ ना गंवायें

अन्न में प्राण ऊर्जा निहित है।धरती माता की अन्न एक अमूलक वरदान व्यवस्था है।अन्न से ही मानव विकास पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और इससे ही सात्विक विचार बनते हैं इसलिए इसे व्यर्थ नहीं गंवाना नहीं चाहिए। अन्न का एक भी दाना व्यर्थ जाने पर जीवात्मा पर कर्मों पर बोझा बन जाता है इसलिए अन्न रुपी प्राण शक्ति को व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए।

राजू पाली
बाबा जयगुरूदेव संगत